कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात का सर्वेक्षण: 2010-11*

भारतीय रिजर्व बैंक कंप्यूटर सेवा निर्यातों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं (आईटीईएस) और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) के निर्यातों की विभिन्न पहलुओं पर डेटा के संकलन के लिए सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात के विषय में वार्षिक आधार पर सर्वेक्षण करता है। इस सर्वेक्षण में सेवाओं के क्षेत्र में व्यापार संबंधी सामान्य करार (गैट्स) के अनुसार गतिविधि, सेवाओं के प्रकार (ऑनसाइट/ऑफसाइट) और गंतव्य देश के साथ-साथ आपूर्ति के चार प्रकारों के आधार पर सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात के विषय में विवरण एकत्रित किए जाते हैं।

इस लेख में सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाओं के निर्यातों के सर्वेक्षण 2010-11 के दौर का परिणाम दिया गया है। 760 कंपनियों के इस सर्वेक्षण में अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं जिनका कुल मिलाकर भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात में करीब-करीब 78 प्रतिशत का योगदान था। 2010-11 के दौरान, आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) के बीओपी (भुगतान संतुलन) मैनुअल में यथा परिभाषित भारत के कुल सॉफ्टवेयर और आईटी सेवा निर्यात की अनुमानित राशि लगभग ₹2,170.1 बिलियन (47.6 बिलियन अमरीकी डालर) थी, जिनमें से कंप्यूटर सेवा निर्यात का प्रतिशत 73.7 था और बाकी हिस्सा आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात का था। आपूर्ति के सभी प्रकारों पर विचार करते हुए, जिसमें विदेश में स्थापित विदेशी सहयोगी कंपनियों द्वारा प्रदत्त सेवाएं भी शामिल हैं, 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात लगभग ₹2,547.8 बिलियन (55.9 बिलियन अमरीकी डालर) रहा जिसमें सीमा-पार आपूर्ति के प्रकार का योगदान दो-तिहाई से भी अधिक था। अमरीका सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का प्रमुख गंतव्य देश बना रहा।

मुख्य-मुख्य बातें

- 2010-11 के दौरान भारत का सॉफ्टवेयर सेवा (कंप्यूटर सेवा और आईटीईएस/बीपीओ सेवा) निर्यात लगभग ₹2,170.1 बिलियन (47.6 बिलियन अमरीकी डालर) था जो गत वर्ष (₹1,836.9 बिलियन) की तुलना में 18.1 प्रतिशत अधिक है।
- *कंप्यूटर सेवा* निर्यात में 26.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, *आईटीईएस/बीपीओ सेवा* निर्यात में 2010-11 के दौरान वृद्धि दर पूर्ववत् रही।
- 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर सेवा के कुल निर्यात में कंप्यूटर सेवा और आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात का हिस्सा क्रमश: 73.7 प्रतिशत और 26.3 प्रतिशत रहा।
- सॉफ्टवेयर सेवा के कुल निर्यात में सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों का योगदान लगभग 61.3 प्रतिशत था।
- ऑफ-साइट मोड के माध्यम से सॉफ्टवेयर सेवा के निर्यात में 2010-11 के दौरान 19.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और सॉफ्टवेयर के कुल निर्यात में इसका योगदान लगभग 79.3 प्रतिशत था। दूसरी तरफ, ऑन-साइट मोड से सॉफ्टवेयर सेवा के निर्यात में अपेक्षाकृत निम्नतर वृद्धि (2010-11 में 13.6 प्रतिशत) जारी रही और सॉफ्टवेयर के कुल निर्यात में इसका हिस्सा घटकर 20.7 प्रतिशत रह गया।
- 2010-11 में भारत के सॉफ्टवेयर सेवा के कुल निर्यात में 63.6 प्रतिशत के साथ अमरीका सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य देश बना रहा। यूरोपीय देशों का हिस्सा 23.5 प्रतिशत था जिसमें से यूके का योगदान 15.0 प्रतिशत था।
- सॉफ्टवेयर निर्यातों की इनवाइसिंग में अमरीकी डालर प्रमुख करेंसी था जिसका हिस्सा कुल सॉफ्टवेयर निर्यातों में 75.3 प्रतिशत था। पौंड स्टर्लिंग और यूरो का हिस्सा क्रमश: 9.8 प्रतिशत और 7.0 प्रतिशत था।
- सॉफ्टवेयर सेवाओं में विदेश स्थित विदेशी सहयोगी कंपनियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं सहित भारत का कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार 2010-11 में ₹2,547.8 बिलियन था। सॉफ्टवेयर सेवाओं में भारत के कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मोड-1 (सीमा-पार आपूर्ति मोड) का योगदान 67.4 प्रतिशत था।

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बाह्य देयता और आस्ति सांख्यिकी प्रभाग में तैयार किया गया। इस विषय पर संदर्भ अवधि 2009-10 के पिछले लेख का प्रकाशन रिजर्व बैंक बुलेटिन के जून 2011 अंक में किया गया था जिसमें अवधारणाएं, परिभाषाएं और सर्वेक्षण की अनुसूची भी शामिल थी।

परिचय

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (2001) की सिफारिशों और कंप्यूटर सेवा निर्यात के विषय में तकनीकी समूह (टीजीसीएसई) (2008) के आगामी मार्गदर्शन के अनुसार रिज़र्व बैंक 2002-03 से *'सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात'* के संबंध में वार्षिक आधार पर व्यापक सर्वेक्षण करता आ रहा है। सर्वेक्षण में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के *भुगतान संतुलन और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति मैन्युअल - छठा संस्करण (बीपीएम6)* तथा *सेवा संबंधी अंतरराष्ट्रीय व्यापार सांख्यिकी (एमएसआईटीएस) के विषय में गैट्स मैन्युअल* में दी गई परिभाषा के अनुसार कंप्यूटर सेवा निर्यात के विवरण के साथ-साथ आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात के संबंध में चुनिंदा जानकारी एकत्र की जाती है। सर्वेक्षण में आपूर्ति के चार मोड यथा सीमापार आपूर्ति, विदेश में खपत, वाणिज्यिक उपस्थिति एवं आदमी की उपस्थिति के अनुसार एमएसआईटीएस में यथा परिभाषित निर्यात डेटा भी एकत्र किए जाते हैं। वार्षिक आधार पर किया जाने वाला पिछला सर्वेक्षण 2009-10 में किया गया था।

सर्वेक्षण परिणाम

2010-11 के वार्षिक सर्वेक्षण में 6,400 कंपनियों को अनुसूची भेजी गयी थी जिनमें से अधिकांश बड़ी कंपनियों सहित 760 कंपनियों ने उत्तर दिया। इनमें से 506 कंपनियां पिछले वर्ष किए गए सर्वेक्षण में शामिल थीं। उत्तर देने वाली कंपनियों का वर्ष के दौरान अनुमानित कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में 78 प्रतिशत का योगदान था। उत्तर न देने वाली कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात का आकलन मीडियन निर्यात का प्रयोग करके किया गया था (क्रियाविधि के लिए अनुबंध I देखें)। रिज़र्व बैंक भारतीय कंपनियों से नॉन फिजिकल सॉफ्टवेयर (ऑफसाइट) निर्यात के संबंध में सॉफ्टेक्स फॉर्म में सूचना एकत्र करता है। सॉफ्टवेयर निर्यात के सर्वेक्षण प्राक्कलनों का *नैशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर ऐंड सर्विसेज़ कंपनीज़ (नासकॉम)* और *सॉफ्टेक्स डेटा* के सर्वेक्षणों के साथ मिलान बॉक्स मद में दिया गया है।

2010-11 के दौरान भारत द्वारा सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात

2010-11 में ₹2,170.1 बिलियन का भारत का कुल अनुमानित सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वर्ष (₹1,836.9 बिलियन) की तुलना में 18.1 प्रतिशत अधिक था (सारणी 1)। इन निर्यातों को दो प्रमुख शीर्षों में वर्गीकृत किया गया है: (i) *कंप्यूटर सेवाएं* और (ii) *आईटीईएस/ बीपीओ सेवाएं,* जिनका 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर सेवा के कुल निर्यात में क्रमश: 73.7 प्रतिशत और 26.3 प्रतिशत हिस्सा है। 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में जो उछाल आया वह *कंप्यूटर सेवा* के कारण था जिसमें 2010-11 में ₹1,598.4 बिलियन निर्यात के साथ 26.2 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि *आईटीईएस/बीपीओ सेवा* निर्यात लगभग समान अर्थात् ₹571.7 बिलियन रहा। इस तरह से सॉफ्टवेयर सेवाओं के कुल निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं के निर्यात का हिस्सा 2010-11 में बढ़कर 73.7 प्रतिशत हो गया (2009-10 में 69.0 प्रतिशत) जबकि आईटीईएस / बीपीओ सेवाओं का हिस्सा 2010-11 में घटकर 26.3 प्रतिशत रह गया (2009-10 में 31.0 प्रतिशत) ।

कंप्यूटर सेवाओं के निर्यात में आईटी सेवाएं प्रमुख घटक बनी रहीं और इसके निर्यात में 33.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई लेकिन सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास के निर्यात में कमी आई। आईटीईएस/बीपीओ सेवा श्रेणी में 2010-11 के दौरान इंजीनियरिंग सेवाओं के निर्यात में हुई कमी को बीपीओ सेवाओं के निर्यात में हुए लाभ ने पूरा कर दिया जिसके चलते इस वर्ष की निर्यात श्रेणी के आंकड़े पिछले वर्ष से मिलते-जुलते हैं (चार्ट 1 और सारणी 1)।

आईटीईएस / बीपीओ सेवा निर्यात का उद्योग-वार वितरण

आईटीईएस / बीपीओ सेवाओं के निर्यात संबंधी आंकड़े तैयार करने के लिए भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी 2003) द्वारा किये गये वर्गीकरण का उपयोग किया गया। इंजीनियरिंग

चार्ट 1: 2010-11 के दौरान भारत से सॉफ्टवेयर निर्यात - गतिविधि-वार

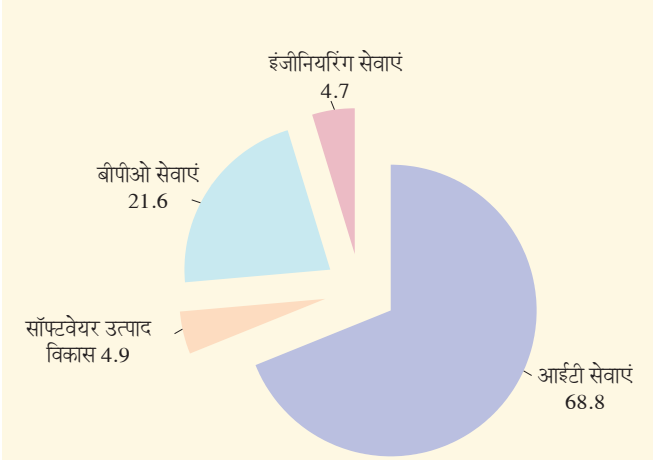

सारणी 1: 2010-11 के दौरान भारत से सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात

(₹ बिलियन)

कार्यकलाप	2009-10	2010-11	वृद्धि (%) में
	1	2	3
क) कंप्यूटर सेवा	**1,266.6**	**1,598.4**	**26.2**
जिसमें से: i) आईटी सेवा	1,115.8	1,492.2	33.7
ii) सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास	150.8	106.2	-29.6
ख) आईटीईएस/बीपीओ सेवा	**570.3**	**571.7**	**0.2**
जिसमें से: i) बीपीओ सेवा	431.3	468.7	8.7
ii) इंजीनियरिंग सेवा	139.0	103.0	-25.9
सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात (क +ख)	**1,836.9**	**2,170.1**	**18.1**

सेवाओं के निर्यात में 2009-10 की तुलना में 2010-11 में 25.9 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि बीपीओ सेवाओं के निर्यात 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी 2)।

2010-11 में *बीपीओ सेवाओं* की प्रमुख गतिविधियों में *कस्टमर इंटरैक्शन सेवाओं* में 32.3 प्रतिशत (कुल आईटीइएस/बीपीओ सेवा निर्यात में 12.2 प्रतिशत हिस्सा) की गिरावट आई जबकि *फाइनेंस और एकाउंटिंग संबंधित सेवाओं* (13.4 प्रतिशत हिस्से के साथ) में 13.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। *इंजीनियरिंग सेवाओं* के अंतर्गत, कम आधार पर, *इंबेडिड सोल्युशंस* और *प्रॉडेक्ट डिज़ाइन इंजीनियरिंग सेवाओं* के निर्यात में क्रमश: 184.4 प्रतिशत और 15.7 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि *इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और इंटरप्राइज ऐसेट मैनेजमेंट तथा अन्य इंजीनियरिंग सेवा* में गिरावट आई। अन्य बीपीओ सेवा (विधि सेवा, एनीमेशन, गेमिंग, फार्मास्यूटिकल्स एवं बायोटेक्नोलॉजी सेवा आदि सहित), जिसका आईटीइएस/बीपीओ सेवा के कुल निर्यात में आधे से ज्यादा योगदान है, में वर्ष के दौरान 26.3 प्रतिशत की बहुत अधिक वृद्धि दर्ज की।

संगठन के प्रकार के अनुसार सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का वितरण

सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों का 2010-11 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में अधिक अर्थात् 61.3 प्रतिशत हिस्सा था (2009-10 में 58.1 प्रतिशत हिस्सा)। 2010-11 के दौरान, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियो की सॉफ्टवेयर सेवा का निर्यात 24.7 प्रतिशत बढ़कर ₹1,330.7 बिलियन हुआ जबकि निजी लिमिडेट कंपनियों का सॉफ्टवेयर निर्यात 15.8 प्रतिशत निम्नतर वृद्धि दर्ज करते हुए ₹836.3 बिलियन हुआ (सारणी 3)।

सारणी 2: आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात का गतिविधि-वार वितरण

कार्यकलाप	2009-10			2010-11			वार्षिक वृद्धि ₹ (%) में
	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	
	₹	अमरीकी डॉलर*		₹	अमरीकी डॉलर*		
	1	2	3	4	5	6	7
बीपीओ सेवाएं	**431.33**	**9.10**	**75.6**	**468.64**	**10.28**	**82.0**	**8.7**
ग्राहक अंतरचर्चा सेवाएं	102.74	2.17	18.0	69.60	1.53	12.2	-32.3
वित्त और लेखांकन, लेखा परीक्षा, बुक कीपिंग एवं कर परामर्शी सेवाएं	67.63	1.43	11.9	76.49	1.68	13.4	13.1
एच आर प्रशासन	7.63	0.16	1.3	2.95	0.06	0.5	-61.3
क्रय एवं लॉजिस्टिक	1.51	0.03	0.3	2.75	0.06	0.5	82.1
मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन	2.37	0.05	0.4	3.45	0.08	0.6	45.6
दस्तावेज प्रबंधन	1.60	0.03	0.3	3.54	0.08	0.6	121.3
अंश विकास, प्रबंधन एवं प्रकाशन	5.94	0.13	1.0	4.35	0.10	0.8	-26.8
अन्य बीपीओ सेवा	241.91	5.10	42.4	305.51	6.69	53.4	26.3
इंजीनियरिंग सेवाएं	**138.98**	**2.93**	**24.4**	**103.03**	**2.26**	**18.0**	**-25.9**
एम्बेडड सोल्यूशन	4.79	0.10	0.8	13.62	0.30	2.4	184.4
उत्पाद डिजाइन इंजीनियरिंग (सॉफ्टवेयर को छोड़कर, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक)	42.71	0.90	7.5	49.41	1.08	8.6	15.7
औद्योगिक स्वचालन एवं उद्यम आस्ति प्रबंधन	14.61	0.31	2.6	3.13	0.07	0.6	-78.6
अन्य इंजीनियरिंग सेवा	76.87	1.62	13.5	36.87	0.81	6.4	-52.9
कुल	**570.33**	**12.03**	**100.0**	**571.67**	**12.54**	**100.0**	**0.2**

* वार्षिक औसत रुपया/डॉलर की विनियम दर का प्रयोग करते हुए।

सारणी 3: सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का संगठन -वार वितरण

संगठन के प्रकार	2009-10			2010-11			वार्षिक वृद्धि ₹ (%) में
	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	
	₹	अमरीकी डॉलर*		₹	अमरीकी डॉलर*		
	1	2	3	4	5	6	7
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	722.3	15.2	39.3	836.3	18.3	38.5	15.8
पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	1,066.7	22.5	58.1	1,330.7	29.2	61.3	24.7
अन्य	47.9	1.0	2.6	3.1	0.1	0.2	-93.5
कुल	**1,836.9**	**38.7**	**100.0**	**2,170.1**	**47.6**	**100.0**	**18.1**

* पाद टिप्पणी के लिए कृपया सारणी 2 देखें।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का देश-वार वितरण

संयुक्त राज्य अमरीका भारत से सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का प्रमुख गंतव्य देश बना रहा। 2010-11 में संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा का भारत से कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में 65.0 प्रतिशत हिस्सा था जो गत वर्ष की तुलना में 24.0 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। यद्यपि यूरोपीय देशों को किए गए सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का हिस्सा 2009-10 के 26.5 प्रतिशत से घटकर 2010-11 में 23.5 प्रतिशत रह गया बावजूद इसके इसने मूल्य के संदर्भ में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि की जिसका प्रमुख कारण यूनाइटेड किंगडम को किए गए सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में 42.3 प्रतिशत की वृद्धि थी। एशियाई देशों को किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात में मूल्य की दृष्टि से 24.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इसका शेयर 2009-10 के 4.9 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गया। दक्षिण एशिया को किए गए सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में 15.7 प्रतिशत की कमी आई। आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड को 2010-11 में किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात में 40.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इसी के साथ उनका हिस्सा 2009-10 के 2.3 प्रतिशत से बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गया।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात की मुद्रा संरचना

75.3 प्रतिशत हिस्से के साथ अमरीकी डॉलर सॉफ्टवेयर निर्यात इनवॉइसिंग की प्रमुख मुद्रा बनी रही जबकि इनवॉइसिंग में यूरो का हिस्सा 7.0 प्रतिशत था। 2010-11 में अमरीकी डॉलर और यूरो में सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात की इनवॉइसिंग में क्रमश: 16.8 प्रतिशत और 20.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई । पाउण्ड स्टर्लिंग (जीबीपी) का हिस्सा 9.8 प्रतिशत था और मूल्य की दृष्टि से उसमें

सारणी 4: सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात के गंतव्य देश

कार्यकलाप	2009-10			2010-11			वार्षिक वृद्धि ₹ (%) में
	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	
	₹	अमरीकी डॉलर*		₹	अमरीकी डॉलर*		
	1	2	3	4	5	6	7
यूएसए और कनाडा	1,137.8	24.0	61.9	1,410.4	30.9	65.0	24.0
यूरोप	487.1	10.3	26.5	508.4	11.1	23.5	4.4
जिसमें से: यूके	228.6	4.8	12.4	325.4	7.1	15.0	42.3
एशिया	89.7	1.8	4.9	111.9	2.5	5.1	24.7
जिसमें से: पूर्व एशिया	70.0	1.4	3.8	87.4	1.9	4.0	24.9
पश्चिम एशिया	14.6	0.3	0.8	20.2	0.5	0.9	38.4
दक्षिण एशिया	5.1	0.1	0.3	4.3	0.1	0.2	-15.7
ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूज़ीलैंड	42.1	0.9	2.3	59.3	1.3	2.7	40.9
अन्य देश	80.2	1.7	4.4	80.1	1.8	3.7	-0.1
कुल	**1,836.9**	**38.7**	**100.0**	**2,170.1**	**47.6**	**100.0**	**18.1**

* पाद टिप्पणी के लिए कृपया सारणी 2 देखें।

चार्ट 2: 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर निर्यात का देश-वार वितरण (प्रतिशत)

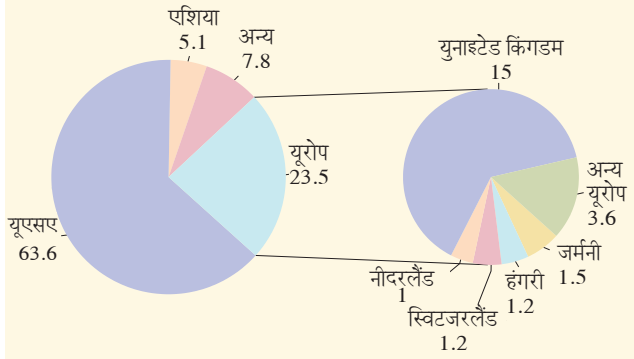

सारणी 5: बीजक की मुद्रा संरचना - सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात

मुद्रा	2009-10			2010-11			वार्षिक वृद्धि ₹ (%) में
	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	
	₹	US$ *		₹	US$ *		
	1	2	3	4	5	6	7
यूएस डॉलर	1,398.9	29.5	76.2	1,633.4	35.8	75.3	16.8
यूरो	126.4	2.7	6.9	152.0	3.3	7.0	20.3
जीबीपी	190.8	4.0	10.4	212.9	4.7	9.8	11.6
एयूडी	34.7	0.7	1.9	63.6	1.4	2.9	83.3
आईएनआर	20.3	0.4	1.1	28.3	0.6	1.3	39.4
अन्य मुद्राएं	65.8	1.4	3.6	79.9	1.8	3.7	21.4
कुल	**1,836.9**	**38.7**	**100.0**	**2,170.1**	**47.6**	**100.0**	**18.1**

* पाद टिप्पणी के लिए कृपया सारणी 2 देखें।

11.6 प्रतिशत वृद्धि हुई। ऑस्ट्रेलियन डॉलर और भारतीय रुपए में की गयी इनवॉइसिंग के हिस्से में कमी आयी लेकिन 2010-11 में इसमें अधिक वृद्धि हुई (सारणी 5 और चार्ट 3)।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात - सेवा का प्रकार

सॉफ्टवेयर सेवा का निर्यात ऑनसाइट और ऑफसाइट सेवाओं के माध्यम से किया जाता है। कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में ऑफसाइट सेवाओं का हिस्सा अधिक (79.3 प्रतिशत) है। 2010-11 के दौरान, ऑनसाइट सेवाओं के माध्यम से किए गए निर्यात की वृद्धि दर (13.6 प्रतिशत) ऑफसाइट सेवाओं के माध्यम से किए गए निर्यात की वृद्धि दर (19.4 प्रतिशत) से कम थी (सारणी 6)।

चार्ट 3: 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर निर्यात के बीजक की मुद्रा संरचना (प्रतिशत)

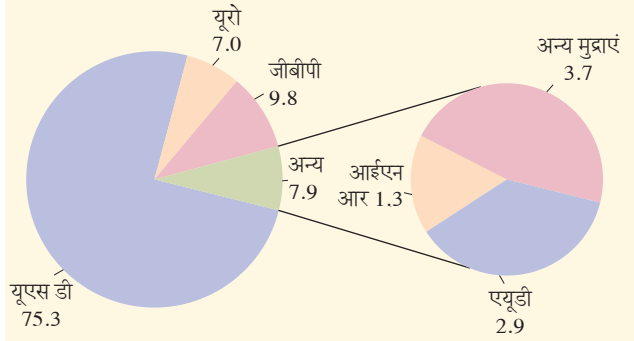

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का आकार-वार वर्गीकरण

₹1 बिलियन और अधिक के निर्यात आकार वाली बड़ी कंपनियों का 2010-11 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में 94.6 प्रतिशत का योगदान था। बड़ी कंपनियों द्वारा प्रदत्त ऑफसाइट सेवाओं का उनके

सारणी 6: सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात - सेवाओं के प्रकार-वार

सेवाओं के प्रकार	2009-10			2010-11			वार्षिक वृद्धि ₹ (%) में
	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	राशि (बिलियन में)		हिस्सा (%)	
	₹	US$ *		₹	US$ *		
	1	2	3	4	5	6	7
ऑन-साइट सेवाएं (मोड 4)	396.2	8.3	21.6	450.1	9.9	20.7	13.6
ऑफ-साइट सेवाएं (मोड 1 और मोड 2)	1,440.7	30.4	78.4	1,720.0	37.7	79.3	19.4
कुल	**1,836.9**	**38.7**	**100.0**	**2,170.1**	**47.6**	**100.0**	**18.1**

* पाद टिप्पणी के लिए कृपया सारणी 2 देखें।

सारणी 7: 2010-11 के दौरान सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात - निर्यात का आकार और अन्य विशेषताएं

(प्रतिशत)

निर्यात का आकार (₹ मिलियन)	निर्यात में हिस्सा	निर्यात का गंतव्य			निर्यात का प्रकार	
		यूएसए और कनाडा	यूरोपीय देश	अन्य देश	ऑन-साइट सेवाएं	ऑफ-साइट सेवाएं
	1	2	3	4	5	6
< 10	0.1	71.6	11.9	16.5	3.3	96.7
10 – 100	0.7	64.8	18.4	16.8	6.0	94.0
100 – 1000	4.6	65.7	23.1	11.2	2.7	97.3
>= 1000	94.6	65.0	23.5	11.5	27.9	72.1
सभी कंपनियां	**100.0**	**65.0**	**23.4**	**11.6**	**26.6**	**73.4**

कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में 72.1 प्रतिशत हिस्सा था। छोटी कंपनियों के मामले में उक्त हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक था (सारणी 7)।

आपूर्ति के प्रकार के अनुसार सॉफ्टवेयर कारोबार

एमएसआईटीएस (2002) के दिशानिर्देशों केअनुसार सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार चार विभिन्न प्रकार से किये जा सकते हैं, नामत:

(i) निवासी और अनिवासी के बीच लेन-देन जिसमें प्रकार-1 (सीमापारीय आपूर्ति), मोड-2 (विदेश में उपभोग) और मोड-4 (वास्तविक व्यक्ति की उपस्थिति) शामिल है, और

(ii) विदेश में स्थापित संबद्ध संस्थाओं द्वारा स्थानीय तौर पर प्रदान की गयी सेवाएं अर्थात् मोड-3 (वाणिज्यिक उपस्थिति)।

तथापि भुगतान संतुलन मैन्युअल के अनुसार, विदेश में स्थापित विदेशी संबंद्ध संस्थाओं को मेजबान अर्थव्यवस्था में घरेलू संस्था समझा जाता है और उनके द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं को गृह देश के निर्यात के रूप में नहीं माना जाता है। इस दायरे तक, बीओपी के सेवा निर्यात के आंकड़े और विदेशी एफिलिएट व्यापार सांख्यिकी (फैट्स) के आंकड़ों में अंतर होता है।

वर्तमान सर्वेक्षण में आपूर्ति के सभी चार मोड के सॉफ्टवेयर सेवा व्यापार के आंकड़े एकत्र किये गये हैं। 2010-11 में आपूर्ति के सभी मोड के माध्यम से सॉफ्टवेयर सेवाओं का भारत का कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार ₹2,547.8 बिलियन था। भारत के सॉफ्टवेयर सेवाओं के कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मोड-1 का हिस्सा 67.4 प्रतिशत था जबकि मोड-4 और मोड-3 का हिस्सा भी दो अंकों में था लेकिन मोड- 2 का हिस्सा नगण्य था (सारणी 8)। छोटी कंपनियों ने अपने सॉफ्टवेयर सेवा निर्यातों का लगभग 82.3 से 91.0 प्रतिशत हिस्सा मोड-1 (सीमा-पारीय आपूर्ति) के माध्यम से प्रदान किया। बड़ी कंपनियों के सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में मोड-1 का करीब-करीब दो-तिहाई हिस्सा था।

विदेशी सहायक/अनुषंगी कंपनियों द्वारा सॉफ्टवेयर कारोबार

सेवा संबंधी विदेशी एफिलिएट्स व्यापार (फैट्स) के प्रयोजनार्थ मेजबान देश में स्थानीय स्तर पर किये गये सॉफ्टवेयर कारोबार शीर्ष के अंतर्गत भारतीय कंपनियों (विदेशी एफिलिएट) की विदेशी सहायक/अनुषंगी कंपनियों द्वारा भारत को और अन्य देशों को किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात के कारोबार के संबंध में भी इस सर्वेक्षण में सूचनाएं एकत्र की गईं। 2010-11 के दौरान भारतीय स्वामित्व वाले

सारणी 8: 2010-11 में भारत के सॉफ्टवेयर सेवा निर्यातों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार

निर्यात का आकार (₹ मिलियन)	राशि (₹ बिलियन)					कुल में हिस्सा (प्रतिशत)			
	मोड 1	मोड 2	मोड 3	मोड 4	कुल	मोड 1	मोड 2	मोड 3	मोड 4
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
< 10	1.4	0.1	0.2	–	1.7	82.3	5.9	11.8	–
10 – 100	14.8	0.2	1.3	0.5	16.8	88.1	1.2	7.7	3.0
100 – 1000	104.7	1.3	7.3	1.9	115.2	91.0	1.1	6.3	1.6
>= 1000	1,597.5	0.0	368.9	447.7	2,414.1	66.2	0.0	15.3	18.5
सभी कंपनियां	**1,718.4**	**1.6**	**377.7**	**450.1**	**2,547.8**	**67.4**	**0.1**	**14.8**	**17.7**

मोड 1: सीमापारीय आपूर्ति ; मोड 2:विदेश में खपत ; मोड 3: वाणिज्यिक उपस्थिति; मोड 4: वास्तविक व्यक्ति की उपस्थिति -: शून्य

सारणी 9: 2010-11 में भारतीय कंपनियों की विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार (गतिविधि-वार वितरण)

(₹ बिलियन)

कार्यकलाप	विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार		
	स्थानीय रूप से	भारत के प्रति	अन्य देश
	1	2	3
आईटी सेवाएं	17.88	0.18	1.63
सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास	4.70	0.01	0.64
बीपीओ सेवाएं	15.23	0.55	9.11
इंजीनियरिंग सेवाएं	1.71	0.26	0.00
अन्य सेवाएं	338.20	4.37	26.73
कुल	**377.72**	**5.37**	**38.11**

विदेशी एफिलिएट द्वारा किया गया कुल सॉफ्टवेयर कारोबार (भारत को उपलब्ध करायी गयी सेवाओं को छोड़कर) ₹415.8 बिलियन का था (सारणी 9)।

भारतीय स्वामित्व वाले विदेशी एफिलिएट की सॉफ्टवेयर सेवाएं मुख्यतः निम्नलिखित मेजबान देशों में प्रदान की गयी थीं। कार्यकलापों के आधार पर भारतीय कंपनियों को चार प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया यथा - आईटी सेवाएं, सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास, बीपीओ सेवाएं और इंजीनियरिंग सेवाएं। इनमें से एकाधिक सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों को 'अन्य' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया। बहु सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियां भारत के बाहर सॉफ्टवेयर कारोबार बढ़ाने के प्रमुख स्रोत बने रहे।

सारणी 10: 2010-11 में भारतीय कंपनियों की विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार (देश-वार वितरण)

(₹ बिलियन)

देश	विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किये गये सॉफ्टवेयर कारोबार में हिस्सा(%)	विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार		
		स्थानीय रूप से	भारत के प्रति	अन्य देशों के प्रति
	1	2	3	4
यूएसए	67.6	271.93	4.40	8.17
यूनाइटेड किंगडम	6.8	26.40	0.87	1.24
सिंगापुर	3.4	8.87	0.03	5.22
जर्मनी	2.5	10.17	0.00	0.50
कनाडा	2.7	11.44	0.00	0.10
जापान	0.6	2.68	0.00	0.05
मलेशिया	0.2	0.82	0.00	0.17
ऑस्ट्रेलिया	1.2	4.97	0.00	0.00
अन्य देश	15	40.44	0.07	22.66
कुल	**100**	**377.72**	**5.37**	**38.11**

अमरीका में भारतीय स्वामित्व वाले एफिलिएट्स द्वारा किए गए कारोबार का विदेशी एफिलिएट्स द्वारा किए गए कारोबार से दो-तिहाई अधिक योगदान था । शेष देशों में भारतीय स्वामित्व के विदेशी एफिलिएट्स के कुल सॉफ्टवेयर कारोबार में यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और जर्मनी स्थित भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों का योगदान क्रमश: 6.8 प्रतिशत, 3.4 प्रतिशत, 2.7 प्रतिशत तथा 2.5 प्रतिशत था (सारणी 10)।

बॉक्स: नास्काम और सॉफ्टेक्स डेटा के साथ सर्वेक्षण परिणामों की तुलना

भारतीय रिज़र्व बैंक सॉफ्टवेयर कंपनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सॉफ्टेक्स फॉर्म के माध्यम से अभौतिक ऑफसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात के आंकड़ों के बारे में जानकारी एकत्र करता है। भारतीय कंपनियों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रस्तुत किए गए सॉफ्टेक्स फार्मों के अनुसार अभौतिक (ऑफसाइट) सॉफ्टवेयर निर्यात 2010-11 में ₹1,569.6 बिलियन था जिसमें ऑनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात शामिल नहीं है। जैसा कि रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है ₹450.1 बिलियन के ऑनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात को शामिल करते हुए, 2010-11 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात ₹2,019.7 बिलियन का था।

रिज़र्व बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़ों में सॉफ्टवेयर निर्यात के आंकड़े प्रकाशित करता है जिसके लिए प्राधिकृत व्यापारियों एवं एसटीपीआई से प्राप्त रिपोर्ट तथा साथ ही नास्काम द्वारा जारी किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। नास्काम आईटी-बीपीओ उद्योग का निर्यात प्रकाशित करता है जो भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के वैश्विक सॉफ्टवेयर कारोबार पर आधारित है अर्थात् भारतीय कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात के साथ-साथ उनकी समुद्र पारीय सहायक कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात। तदनुसार, रिज़र्व बैंक के सर्वेक्षण के माध्यम से सॉफ्टवेयर और आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात संबंधी सृजित आंकड़ों को नास्काम के डेटा के साथ तुलनीय बनाने के लिए भारतीय कंपनियों की समुद्रपारीय सहायक कंपनियों के सॉफ्टवेयर कारोबार को सर्वेक्षण के आधार पर भारत की अनुमानित सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में जोड़ा गया है।

सर्वेक्षण के आधार पर 2010-11 में भारत से ₹2.170.1 बिलियन (47.6 बिलियन अमरीकी डॉलर) की सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात

बॉक्स: नास्काम और सॉफ्टेक्स डेटा के साथ सर्वेक्षण परिणामों की तुलना *(समाप्त)*

2010-11 में भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात का मिलान

(₹ बिलियन)

नास्काम के अनुसार सॉफ्टवेयर निर्यात (वैश्विक कारोबार)	वार्षिक सर्वेक्षण पर आधारित सॉफ्टवेयर निर्यात			वार्षिक सर्वेक्षण और सॉफ्टेक्स डेटा पर आधारित सॉफ्टवेयर निर्यात		
	भारतीय कंपनियां (मोड 1, मोड 2 एवं मोड 4)	विदेश स्थित सहायक कंपनियां (मोड 3 एवं भारत को छोड़कर अनुषंगियों का निर्यात)	वैश्विक कारोबार	सॉफ्टेक्स डेटा पर आधारित ऑफसाइट अभौतिक सॉफ्टवेयर निर्यात (मोड 1 एवं मोड 2)	सर्वेक्षण पर आधारित ऑनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात (मोड 4)	भारत का कुल सॉफ्टवेयर निर्यात
1	2	3	4=(2)+(3)	4	5	6=(5)+(6)
2,689.0	2,170.1	415.8	2,585.9	1,569.6	450.1	2,019.7

का अनुमान किया गया था और भारतीय सहायक कंपनियों द्वारा विदेशों में 2010-11 में किए गए सॉफ्टवेयर कारोबार के ₹415.8 बिलियन (9.1 बिलियन अमरीकी डॉलर) होने का अनुमान किया गया था। इस तरह से सर्वेक्षण के आधार पर भारत का वैश्विक सॉफ्टवेयर निर्यात नास्काम द्वारा प्रकाशित ₹2,689.0 बिलियन (59.0 बिलियन अमरीकी डॉलर) की तुलना में ₹2,585.9 बिलियन (56.7 बिलियन अमरीकी डॉलर) था। सर्वेक्षण के अनुमान के अनुसार भारतीय कंपनियों की विदेशी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार वैश्विक सॉफ्टवेयर कारोबार का 16.1 प्रतिशत था।

सर्वेक्षण के परिणामों की तुलना नास्काम द्वारा जारी सॉफ्टवेयर निर्यात के आंकड़ों और साथ ही भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सॉफ्टेक्स फॉर्म के माध्यम से एकत्र किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात आंकड़ों से की जा सकती है।

संदर्भ

1. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (2008): *भुगतान संतुलन और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति मैन्युअल - छठा संस्करण* (बीपीएम 6), वाशिंगटन, डीसी।
2. भारत सरकार (2001): *राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (एनएससी) की रिपोर्ट,* नई दिल्ली, अगस्त।
3. भारत सरकार (2003): *आईटी समर्थित सेवाएं,* सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
4. भारतीय रिज़र्व बैंक (2003): रिपोर्ट ऑफ दि टेक्निकल ग्रुप ऑन री-एक्जामिनेशन ऑफ डेटा रिर्पोटिंग सिस्टम ऑन सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स, मुंबई।
5. भारतीय रिज़र्व बैंक (2011): कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात का सर्वेक्षण: 2009-10, भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन, जून अंक।
6. संयुक्त राष्ट्र (2002): *गैट्स मैन्युअल ऑन स्टेटिस्टिक्स ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड इन सर्विसेज* (एमएसआईटीएस), जेनेवा।

अनुबंध I: प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात का अनुमान लगाने की कार्यपद्धति

सभी प्रमुख कंपनियों में से 760 कंपनियों ने सर्वेक्षण का उत्तर दिया। इस प्रकार, प्रतिसाद न देने वाली कंपनियां छोटी कंपनियां थीं। इसके अलावा, प्रतिसाद देने वाली कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों से यह देखा गया कि ऑनसाइट निर्यात की सूचना मुख्यत: प्रमुख कंपनियों ने दी थी। अत: प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों द्वारा किए गए निर्यात का अनुमान लगाते समय केवल ऑफसाइट निर्यात को ही ध्यान में लिया गया। प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों संबंधी सूचना उपलब्ध न होने के कारण इन्हें देखे गए अनुपात के आधार पर आईटी सेवा, आईटीईएस/बीपीओ सेवा, इंजीनियरिंग सेवा एवं सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास इन 4 समूहों में श्रेणीबद्ध किया गया। इसके अलावा आईटी सेवाएं, बीपीओ सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएं और सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास नामक चार समूहों में निर्यात के वितरण में सकारात्मक भिन्नता था। अत: संबंधित कारोबारी समूह द्वारा किए गए निर्यात के अनुमान के लिए इन प्रत्येक समूह के मीडियन निर्यात का प्रयोग किया गया। इस कार्यपद्धति का प्रयोग करते हुए प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों का अनुमानित सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात ₹479 बिलियन (कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का लगभाग 22.0 प्रतिशत) था। निर्यात की अन्य वितरणात्मक पद्धतियों के अनुमान के लिए देखे गए अनुपात प्रयोग में लाए गए।

2010-11 की अवधि के लिए सॉफ्टवेयर और आईटी सेवा निर्यात पर वार्षिक सर्वेक्षण के तहत लगभग 6,400 सॉफ्टवेयर और आईटीईएस/बीपीओ कंपनियों से संपर्क किया गया। इसमें से, 876 कंपनियों ने इस सर्वेक्षण में उत्तर दिया जिनमें 116 शून्य तथा बंद कंपनियां थीं। सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर और आईटी/बीपीओ कंपनियों ने सर्वेक्षण को प्रतिसाद दिया। देखे गए अनुपात का प्रयोग करते हुए, शून्य तथा बंद कंपनियों की संख्या का अनुमान प्रतिसाद न देने वाली 5,524 कंपनियों में से और सॉफ्टवेयर निर्यात का अनुमान शेष प्रतिसाद न देने वाली 4,793 कंपनियों के लिए निम्न पद्धति प्रयोग करते हुए लगाया गया:

I. आईटीईएस/बीपीओ सूचित कार्य के आधार पर, कंपनियों को आईटीईएस/बीपीओ सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएं और सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास नामक 4 समूहों में श्रेणीबद्ध किया गया (संबंधित समूह के तहत 100 प्रतिशत कारोबार)

II. कारोबारी कार्य के रूप में उक्त कार्यों के मिश्रण वाली अन्य कंपनियों के श्रेणीकरण के लिए आईटी, बीपीओ, इंजीनियरिंग और सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास सेवाओं में उनके द्वारा किए गए निर्यात के सूचित अनुपात को प्रयोग में लाया गया।

III. सूचित आंकड़ों के आधार पर यह देखा गया कि 'ऑनसाइट' सॉफ्टवेयर मुख्यत: बड़ी कंपनियों ने किया था। अत: प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात के अनुमान के लिए ऑफशोर सॉफ्टवेयर निर्यात के घटक को ही प्रयोग में लाया गया।

IV. चूंकि निर्यात का वितरण इनमें से प्रत्येक समूह में सकारात्मक रूप से अत्यधिक विषम था इसलिए प्रत्येक समूह में सॉफ्टवेयर निर्यात के अनुमान के लिए मीडीयन का प्रयोग किया गया।

प्रतिसाद न देनेवाली कंपनियों के i वें समूह के लिए अनुमानित सॉफ्टवेयर निर्यात

$$= i \text{ समूह का मीडीयन} * \left[\frac{\# \, i \text{ समूह में सूचित कंपनियां}}{\text{सूचित कंपनियों की कुल संख्या}} \right] * [\, \# \text{ प्रतिसाद न देनेवाली कंपनियां} \,]$$

और इस प्रकार प्रत्येक चार समूहों में प्रतिसाद न देने वाली कंपनियों के सूचित सॉफ्टवेयर निर्यात एवं अनुमानित सॉफ्टवेयर निर्यात के जोड़ के रूप में भारत के कुल सॉफ्टवेयर निर्यात का संकलन किया गया।